* R R - 0 0 1 4 / 6 0 0 0 *

# RR-0014

## First Year B. A. Examination

### March / April – 2010

### Hindi : Paper-I

*(आधुनिक हिन्दी काव्य)*

Time : Hours] [Total Marks : **70**

**सूचना :**

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
**Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.**

Name of the Examination :

☛ F. Y. B. A.

Name of the Subject :

☛ Hindi - 1

☛ Subject Code No. : 0 0 1 4 ☛ Section No. (1, 2,.....) : Nil

Seat No. :

Student's Signature

(२) **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** है ।

१ खण्ड काव्य के लक्षणों के आधार पर 'रश्मीरथी' का मूल्यांकन कीजिए । १४

**अथवा**

१ 'रश्मिरथी' के आधार पर कुन्ती के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १४

२ ''महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा कहा जाता है ।'' पठित कविताओं के आधार पर सिद्ध कीजिए । १४

**अथवा**

२ 'सागर के किनारे' काव्य का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । १४

३ ''परशुराम के चरित्र में मानवोचित गुणों एवं भावों का निरुपण हुआ है ।'' सिद्ध कीजिए । १४

**अथवा**

३ 'प्रथम रश्मि' कविता में प्रभातबेला सुन्दर शब्द–चित्र कविने खड़ा किया है । इस कथन की चर्चा कीजिए । १४

४ टिप्पणी लिखें : १४

(१) कर्ण की दानशीलता ।

**अथवा**

(१) 'रश्मिरथी' शीर्षक की सार्थकता ।

(२) 'पुष्प की अभिलाषा' में व्यक्त राष्ट्रीय–भावना ।

**अथवा**

(२) 'संध्या–सुन्दरी' कविता में प्रकृति चित्रण ।

५ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(१) तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के,
पाते हैं जग से प्रशस्ति अपना करतब दिखला के ।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींच कर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ।

**अथवा**

(१) कहुँ जो, पाल उसको, धर्म है यह ।
हनन कर शत्रु का, सत्कर्म है यह ।
क्रिया को छोड़ चिन्तन में फँसेगा ।
उलटकर काल तुझ को ही ग्रसेगा ॥

(२) नव गति, नव लय, ताल छंद नव
नवल कंठ, नव जलद मंद्र रव
नव नभ के नव विहग वृंद को
नव पर, नव स्वर दे !

**अथवा**

(२) अमल–धवल गिरि के शिखरों पर
प्रियवर, तुम कब तक साए थे ?
कालिदास, सच–सच बतलाना !
रोया वृक्ष कि तुम रोए थे ।